



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 94]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 6, 1995/ज्येष्ठ 16, 1917

No. 94]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 6, 1995/JYAISTHA 16, 1917

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 जून, 1995

विषय : रूस, कजाकिस्तान तथा उक्रेन में लो कार्बन फ़ैरो क्रोम (एल.सी.एफ.सी.) के आयात के संबंध में प्रतिपादन जांच शुरू करना।

फा. सं. 47/ए.डी.डी/94.—दी फ़ैरो एलाय कार्पोरेशन ने भारतीय फ़ैरो उत्पादन संघ के माध्यम से सीमाशुल्क टैरिफ (उम्मे की गई वस्तुओं की पहचान, आकलन तथा उन पर प्रतिपादन शुल्क की वसूली तथा क्षति के निर्धारण हेतु) नियम, 1995 के अंतर्गत एक याचिका दायर की है जिसमें रूस, कजाकिस्तान तथा उक्रेन द्वारा लो कार्बन फ़ैरो क्रोम (कार्बन की मात्रा 0.03% - 0.2% अधिकतम) के पाटन का प्रारोप लगाया गया है।

2. धरेलू उद्योग : यह याचिका भारतीय फ़ैरो एलाय उत्पादक संघ, हिन्दुस्तान टाईम्स हाऊस आठवीं मंजिल, 18-20, कानपुरबा गान्धी मार्ग, नई दिल्ली 110001 के माध्यम से फ़ैरो एलाय कार्पोरेशन लि. द्वारा दायर की

गई है। याचिका कर्ता ने यह प्रमाणित किया है कि वे भारत में एल.सी.एफ.सी. के कुल उत्पादन का लगभग 96% उत्पादन करते हैं और इसी प्रकार वे उपर्युक्त नियमों के तहत धरेलू उद्योग के रूप में अपनी स्थिति को पूरा करते हैं।

3. शामिल उत्पाद : लो कार्बन फ़ैरो क्रोम लौह को मिश्रित करने वाला एक बहुत ही अनुकूल पदार्थ है जिसकी स्टेनलेस स्टील के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण निबिष्ट के रूप में आवश्यकता होती है जिसमें मिनिकोन कार्बन, सल्फर, फासफोरस तथा एलुमिनियम का बहुत बढोर घनत्व होता है जिसमें 65% से 78% तक क्रोम की मात्रा होती है तथा इसमें कार्बन की मात्रा अधिकतम 0.03% - 0.2% होती है। इसका भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची-I शीर्षक 7202.49 के तहत वर्गीकरण किया जा सकता है।

4. पाटन : याचिका कर्ताओं ने आरोप लगाया है कि 1994-95 के पहले 9 महीनों में कम से कम 1051 मी. टन एल.सी.एफ.सी. रूस, कजाकिस्तान तथा उक्रेन से आया है जबकि 1993-94 के दौरान इसकी मात्रा 1254 मी. टन थी। रूस, कजाकिस्तान तथा उक्रेन में चंकि बाजार रहित अर्थव्यवस्था है इसलिए याचिकाकर्ता ने सुझाव दिया है कि

जिम्बाबवे को प्रतिनिधि देश के रूप में माना जाए, जैसा कि यूरोपीय आर्थिक समुदाय द्वारा किया गया था, या निकाकर्ताओं ने जिम्बाबवे को पावर टैंग्रिक के आधार पर उत्पादन की लागत का आकलन किया है जो भारत में उत्पादन लागत की तुलना में एक चौथाई है। चूंकि उत्पाद विद्युत् प्रधान है वह उत्पादन लागत 1 अप्रैल, 1994-30 सितम्बर, 1994 की अवधि के दौरान 47,412 रुपये प्रति मी. टन बैठती है। उसी अवधि के दौरान भारत में औसत मी.आई.एफ. कीमत 31, 166/- रु. होगी। पाटन का प्रत्यक्ष प्रमाण यह है कि रुस, कजाकिस्तान तथा उक्रेन से मी.आई.एफ. कीमत ऊपर परिवर्तित उत्पादन लागत से कम है।

5. क्षति : आयातों की मात्रा में वृद्धि परिलक्षित होती है जो 1992-93 में 63 मी० टन से बढ़कर 1993-94 में 1264 मी० टन तथा 1994-95 के पहले 9 महीनों में 1051 मी. टन हो गई। पाटन के फलस्वरूप घरेलू उद्योग कीमत के रूप में प्रतियोगिता करने में असमर्थ है। विश्वी और उत्पादन में कमी हुई है। घरेलू उद्योग उत्पादन की लागत में हुई वृद्धि की तुलनीय कीमत भी प्राप्त नहीं कर सका है, जिससे पता चलता है कि रुस, उक्रेन तथा कजाकिस्तान से आयात की वजह से कीमतों में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के उत्पादन में कमी तथा कीमतों में गिरावट से भारत में इस उत्पाद के विनिर्माण में बड़ी कम्पनियों को हानि हुई है।

6. इस प्रकार इस बात के प्रत्यक्ष प्रमाण है कि रुस, कजाकिस्तान तथा उक्रेन ने एम.सी.एफ.सी. के आयात की वजह से भारत में घरेलू उद्योग को आर्थिक हानि हो रही है।

7. पाटन रोधी जांच शुरू करना : इसलिए, मैं रुस, कजाकिस्तान तथा उक्रेन से आयात किए गए एम.सी.एफ.सी. के कथित पाटन के अस्तित्व, मात्रा और प्रमाण के बारे में जांच शुरू कर रहा हूँ।

8. अनुरोधपत्र प्रस्तुत करने की समय सीमा तथा पता : रुस, कजाकिस्तान तथा उक्रेन के निर्यातकों तथा संबंधित आयातकों को अलग से लिखा जा रहा है कि वे निर्धारित प्रपत्र तथा तरीके से अपने विचार प्रस्तुत करें जिससे कि वे मेरे पाम तीन जुलाई 1995 तक निम्नांकित पते पर पहुंच जाएं :

डा. वाई. वी. रेड्डी,

पदनामित प्राधिकारी

तथा

अपर सचिव

वाणिज्य मंत्रालय, उद्योग भवन,

कमरा नं. 243

नई दिल्ली-110011

फैक्स नं. 00-91-11-3011837

भारत

अन्य उच्छुक पक्षों से अनुरोध है कि वे उपर्युक्त पते पर निर्धारित प्रपत्र में तथा निर्धारित समय सीमा के अंदर अपना अनुरोध प्रस्तुत करें।

उच्छुक पक्षा स यह भी निवेदन है कि क्या वे अपनी सूचना प्राधिकृत अधिकारी को मौखिक रूप से देना चाहते हैं।

वाई. वी. रेड्डी, पदनामित प्राधिकारी

तथा अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th June, 1995

Subject : Initiation of Anti-dumping investigation concerning imports of low Carbon Ferro Chrome (LCFC) from Russia, Kazakhstan & Ukraine.

No. 47/ADD/94.—The Ferro Alloy Corporation (FACOR) through the Indian Ferro Alloy Producers has filed a petition alleging dumping of low Carbon Ferro Chrome (Carbon content 0.03 percent—0.2 percent Max) by Russia, Kazakhstan & Ukraine as per Customs Tariff (Identification, Assessment & Collection of Anti-dumping Duty on Dumped Articles & for Determination of Injury) Rules, 1995.

2. Domestic Industry : The petition has been filed by the Ferro Alloy Corporation Ltd. through the Indian Ferro Alloy Producers Association, Hindustan Times, 8th Floor, 18-20, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-110001. The petitioner have averred that they are accounting for about 96% of the total production of LCFC in India and, therefore, they satisfy the standing as domestic industry under the above said rules.

3. Product Involved : Low Carbon Ferro Chrome is a highly tailor made Ferro Alloying element required as vital input for stainless steel production with very stringent specification of silicon, carbon, sulphur, phosphorus & Aluminium with chrome content ranging between 65% to 70% and carbon content ranging from 0.03%-0.2% Max. It is classifiable under heading 7202.49 of Schedule-I of Indian Customs Tariff Act, 1975.

4. Dumping : The petitioners have alleged that at least 1051 MT of LCFC has come from Russia, Kazakhstan and Ukraine during first nine month of 1994-95 as against 1254 MT during 1993-94. Russia, Ukraine & Kazakhstan being Non Market Economies, the petitioner have suggested that Zimbabwe be considered as a surrogate country, as was done by EEC. The petitioners have worked out the cost of production based on power tariff in Zimbabwe which is 1/4th that in India, since the product is power intensive, to be Rs. 47,412/- per MT during the period 1st April, 1994—30th September, 1994. The average c.i.f.

price in India during the same period works out to be Rs. 31,166. There is prima facie evidence of dumping as the c.i.f. prices from Russia, Kazakhstan and Ukraine are below the cost of production as derived from the above.

5. Injury : The quantum of imports shows an increase from 63 MT in 1992-93 to 1264 MT in 1993-94 and 1051 MT during first nine months of 1994-95. As a result of dumping, the domestic industry has been unable to compete on the price front. There has been a decline in sales & production. The domestic industry has not been able to realise a price comparable to the increase in cost of production, thereby implying price suppression by imports from Russia, Ukraine and Kazakhstan. The decline in production & suppression of prices of the domestic industry has resulted in loss to the companies engaged in manufacturing the product in India.

6. There is prima facie evidence that imports of LCFC from Russia, Kazakhstan and Ukraine are causing material injury to the domestic industry in India.

7. Initiation of Anti-dumping Investigation : I am, therefore, initiating anti-dumping investigation as to the existence, degree and effect of alleged

dumping of LCFC originating from Russia, Kazakhstan & Ukraine.

8. Time Limit & Address for making submissions : The exporters in Russia, Kazakhstan and Ukraine and importers known to the concerned are being addressed separately to make their views known in the form and prescribed so as to reach me by 3rd July, 1995 at the following address :

Dr. Y. V. Reddy, X
Designated Authority
and
Additional Secretary,
Ministry of Commerce,
Udyog Bhavan,
Room No. 243,
New Delhi-110011
Fax No. 00-91-11-3011837
INDIA.

Other interested parties are advised to make their submissions relevant to the investigation in the prescribed form and within the time limit at the above address.

The interested parties are also advised to make known the Designated Authority if they wish to present information orally.

Y. V. REDDY,
Designated Authority
Addl. Secy.

